Tender Heart High School, Sector 33-B , Chandigarh.

कक्षा - दसवीं

विषय- हिन्दी साहित्य
शिक्षिका- श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : साहित्य सागर

पाठ-१ भेड़ें और भेड़िए (कहानी) लेखक - हरिशंकर परसाई

निम्नलिखित अवतरण पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखो :-

"पशु समाज में इस क्रांतिकारी परिवर्तन से हर्ष की लहर दौड़ गई कि सुख-समृद्धि और सुरक्षा का स्वर्ण युग अब आया और वह आया।"

प्रश्न (क) वन के पशुओं ने एक मत से क्या तय किया और क्यों? 'वन में प्रजातन्त्र की स्थापना' का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - एक बार वन के पशुओं को ऐसा लगने लगा कि वे अब सभ्य जीवन जीने लगे हैं। वे सभ्यता के उस स्तर पर पहुँच गए हैं, जहाँ उन्हें अच्छी शासन-व्यवस्था अपनानी चाहिए। यही सोचकर उन्होंने तय किया कि अच्छी शासन व्यवस्था के लिए 'प्रजातन्त्र' से बेहतर और दूसरी व्यवस्था नहीं हो सकती, इसलिए सभी पशुओं ने एकमत से यह तय किया कि अब जंगल में भी प्रजातन्त्र की स्थापना की जाए।

जिस वन-प्रदेश के बारे में लेखक चर्चा कर रहे हैं, उसमें भेड़ों की संख्या सबसे ज्यादा थी। भेड़ों ने सोचा अब हमारा भय दूर हो जाएगा। हम अपने प्रतिनिधियों से कानून बनवाएँगे कि कोई जीवधारी किसी को न सताए, न मारे। सब जिएँ और जीने दें। वन में इसी प्रजातंत्र की स्थापना की बात से सभी जीव खुश हो रहे थे।

प्रश्न (ख) 'क्रांतिकारी परिवर्तन' का प्रयोग किस संदर्भ में किया गया है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'क्रांतिकारी परिवर्तन' का प्रयोग इस संदर्भ में किया गया कि वन प्रदेश में प्रजातन्त्र की स्थापना से भेड़ों को लगा कि अब उनका भय दूर हो जाएगा। भेड़ों ने सोचा कि हम अपने प्रतिनिधियों से कानून बनवाएँगे कि कोई जीवधारी किसी अन्य जीव को न मारेगा, न सताएगा। भेड़ों ने ऐसा इसलिए सोचा क्योंकि उस वन में भेड़ों की संख्या सबसे अधिक थी, अतः अपने प्रतिनिधियों के द्वारा वे अपने जैसे प्राणियों के हित में कानून बनवाना चाहती थी कि कोई जीवधारी किसी को न सताएगा और न मारेगा। ऐसी स्थिति में वन के हिंसक और मांसाहारी जीवों को भूखे मरना पड़ेगा या फिर घास चरना सीखना पड़ेगा।

प्रश्न (ग) जंगल में हर्ष की लहर क्यों दौड़ गई ? 'सुख - समृद्धि और सुरक्षा के स्वर्ण - युग' का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'सुख समृद्धि और सुरक्षा का स्वर्ण युग' से लेखक का अभिप्राय है ऐसा वातावरण जहाँ किसी को किसी से डर न हो, कोई जीवधारी किसी को न सताए, न मारे। सब जिएँ और जीने दें। शांति, स्नेह, बंधुत्व और सहयोग पर समाज आधारित हो।

यहाँ वन - प्रदेश में शासन - व्यवस्था सुधारने की बात की जा रही है क्योंकि वन में हिंसक जीवों से सदा निर्बल और बेबस प्राणियों को अपने प्राणों का भय ही बना रहता था परन्तु अब वन में ऐसी व्यवस्था की जा रही थी कि कोई भी हिंसक जीव किसी को नहीं मारेगा। कोई भी जीव किसी दूसरे जीव को सताएगा नहीं। चारों तरफ़ सुख - शांति का वातावरण रहेगा।

प्रश्न (घ) जंगल में किस प्रकार का प्रजातन्त्र आया ? उसका क्या परिणाम निकला ? क्या सुख - समृद्धि और सुरक्षा का स्वर्ण युग आया ?

उत्तर जंगल में एक बूढ़ा सियार था। वह बहुत अनुभवी और

चापलूस था इसलिए वह भेड़िए को जितवाने के लिए रंगे सियारों का सहारा लेता हैं। वह भेड़िए का भी हुलिया बदलकर भेड़ों को धोखा देने में कामयाब हो जाता है। उस चापलूस सियार की बातों पर भरोसा करके भेड़ें भेड़ियों को वोट दे देती हैं और चुनाव में भेड़ियों को चुनकर पंचायत में भेजती हैं।

पंचायत में भेड़ों के हितों की रक्षा करने का राग अलापते हुए भेड़िए प्रतिनिधि बनकर गए। पंचायत में पहुँचकर भेड़ियों ने भेड़ों की भलाई के लिए पहला कानून यह बनाया — 'हर भेड़िए को सवेरे नाश्ते में एक भेड़ का बच्चा दिया जाए, दोपहर को भोजन में एक पूरी भेड़ और शाम को स्वास्थ्य के ख्याल से कम खाना चाहिए, इसीलिए आधी भेड़ दी जाए।' इस प्रकार जंगल में सुख-समृद्धि और सुरक्षा का स्वर्ण युग नहीं आ सका।

[अंतिम पृष्ठ]

———————

CamScanner